D.El.Ed

Question Paper

Code No. : **306-H**

ಕರ್ನಾಟಕ ಪ್ರೌಢ ಶಿಕ್ಷಣ ಪರೀಕ್ಷಾ ಮಂಡಳಿ, ಮಲ್ಲೇಶ್ವರಂ, ಬೆಂಗಳೂರು, 560 003

KARNATAKA SECONDARY EDUCATION EXAMINATION BOARD, MALLESHWARAM, BENGALURU, 560 003

ಪ್ರಥಮ ವರ್ಷದ ಡಿ.ಎಲ್.ಇಡಿ. ಮುಖ್ಯ ಪರೀಕ್ಷೆ, ಜುಲೈ, 2022

First Year D.El.Ed. Main Examination, July, 2022

Subject / ವಿಷಯ	:	**Facilitating Learning (LPS)** **First Language – HINDI** **ಕಲಿಕೆಯನ್ನು ಅನುಕೂಲಿಸುವುದು (ಕಿ.ಪ್ರಾ.ಶಾ.)** **ಪ್ರಥಮ ಭಾಷೆ – ಹಿಂದಿ**
Date of Exam. / ಪರೀಕ್ಷೆಯ ದಿನಾಂಕ	:	06. 07. 2022
Maximum Marks / ಗರಿಷ್ಠ ಅಂಕಗಳು	:	60
Duration of Exam. / ಪರೀಕ್ಷೆ ಅವಧಿ	:	3 hours / 3 ಗಂಟೆಗಳು
Time / ಸಮಯ	:	10.00 A.M. to 1.00 P.M.

ಅಭ್ಯರ್ಥಿಗಳಿಗೆ ಸಾಮಾನ್ಯ ಸೂಚನೆಗಳು / *General Instructions to the Candidates :*

1. ಅಭ್ಯರ್ಥಿಗಳು ತನ್ನ ನೋಂದಣಿ ಸಂಖ್ಯೆಯನ್ನು ಪ್ರವೇಶ ಪತ್ರದಲ್ಲಿ ಮುದ್ರಿಸಿರುವಂತೆಯೇ ಉತ್ತರ-ಪುಸ್ತಿಕೆಯಲ್ಲಿ ನೀಡಿರುವ ನಿಗದಿತ ಸ್ಥಳದಲ್ಲಿ ಸ್ಪಷ್ಟವಾಗಿ ಬರೆಯಿರಿ.
   Candidates should write their Register Number on the Answer Booklet as printed in their admission ticket.
2. ಅಭ್ಯರ್ಥಿಗಳು ಹೆಚ್ಚುವರಿ ಉತ್ತರ ಹಾಳೆಗಳನ್ನು ಪಡೆದಲ್ಲಿ, ಉತ್ತರ ಹಾಳೆಗಳ ಮುಖಪುಟದ ಮೇಲಿನ ನಿಗದಿತ ಸ್ಥಳದಲ್ಲಿ ಮುಖ್ಯ ಉತ್ತರ-ಪುಸ್ತಿಕೆಯ ಕ್ರಮ ಸಂಖ್ಯೆಯನ್ನು ಬರೆಯತಕ್ಕದ್ದು.
   Candidates should write their Main Answer Booklet Number on the additional answer sheets in the space provided.
3. ಈ ಪ್ರಶ್ನೆಪತ್ರಿಕೆಯನ್ನು ಹಿಮ್ಮುಖ ಜಾಕೆಟ್ ಮೂಲಕ ಮೊಹರು (ಸೀಲ್) ಮಾಡಲಾಗಿದೆ. ಪರೀಕ್ಷೆ ಪ್ರಾರಂಭವಾಗುವ ಸಮಯಕ್ಕೆ ನಿಮ್ಮ ಪ್ರಶ್ನೆಪತ್ರಿಕೆಯ ಬಲಬದಿ ಪಾರ್ಶ್ವವನ್ನು ಕತ್ತರಿಸಿ, ಪ್ರಶ್ನೆಪತ್ರಿಕೆಯಲ್ಲಿ ಎಲ್ಲಾ ಪುಟಗಳು ಇವೆಯೇ ಎಂದು ಪರೀಕ್ಷಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ.
   This Question Paper has been sealed by reverse jacket. You have to cut on the right side to open the Question Paper at the time of commencement of the examination. Check whether all the pages of the Question Paper are intact.
4. ಅಭ್ಯರ್ಥಿಗಳು ನಿಗದಿಪಡಿಸಿದ ಸ್ಥಳವನ್ನು ಹೊರತುಪಡಿಸಿ ಇನ್ನಿತರೇ ಯಾವುದೇ ಪುಟಗಳಲ್ಲಿ ನೋಂದಣಿ ಸಂಖ್ಯೆ, ಗುರುತು ಹಾಗೂ ಚಿಹ್ನೆ ಇನ್ನಿತರೆ ಯಾವುದೇ ಮಾಹಿತಿಗಳನ್ನು ಬರೆಯಬಾರದು. ಒಂದು ವೇಳೆ, ಈ ಬಗೆಯ ಯಾವುದೇ ಮಾಹಿತಿಗಳನ್ನು ಉತ್ತರ-ಪುಸ್ತಿಕೆಯಲ್ಲಿ ಬರೆದ ಪಕ್ಷದಲ್ಲಿ ಅಂತಹ ಉತ್ತರ-ಪುಸ್ತಿಕೆಯನ್ನು ಮೌಲ್ಯಮಾಪನಕ್ಕೆ ಪರಿಗಣಿಸಲಾಗುವುದಿಲ್ಲ.
   Candidates should not write Register Number, mark, sign or any other information in the Answer Booklet except in the specified place. In case, it is found any information in the sheets of the answer scripts such answer scripts will not be considered for evaluation.
5. ಪರೀಕ್ಷಾ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಅಭ್ಯರ್ಥಿಯು ಪರೀಕ್ಷಾ ಅವ್ಯವಹಾರದಲ್ಲಿ ತೊಡಗಿಸಿಕೊಂಡಿರುವುದು ಕಂಡುಬಂದಲ್ಲಿ ಹಾಗೂ ಪರೀಕ್ಷಾ ಸೂಚನೆಗಳನ್ನು ಉಲ್ಲಂಘಿಸಿದ್ದಲ್ಲಿ ಅಂತಹ ಅಭ್ಯರ್ಥಿಯ ವಿರುದ್ಧ ಪರೀಕ್ಷಾ ನಿಯಮಾನುಸಾರ ಶಿಸ್ತು ಕ್ರಮಕ್ಕೆ ಗುರಿಪಡಿಸಲಾಗುವುದು ಮತ್ತು ಅಂತಹ ಅಭ್ಯರ್ಥಿಯ ಉತ್ತರ-ಪುಸ್ತಿಕೆಯನ್ನು ಮೌಲ್ಯಮಾಪನಕ್ಕೆ ಪರಿಗಣಿಸಲಾಗುವುದಿಲ್ಲ.
   Candidate found to be indulging in malpractice during examination and violating examination instructions, action will be taken against such candidate as per the examination rules and his / her Answer Booklet will not be considered for evaluation.
6. ಉತ್ತರ ಬರೆಯಲು ಕಪ್ಪು / ನೀಲಿ ಶಾಯಿಯ ಬಾಲ್ ಪಾಯಿಂಟ್ ಪೆನ್ ಮಾತ್ರ ಉಪಯೋಗಿಸತಕ್ಕದ್ದು.
   Use black / blue ball point pen only to write the answers.

ಇಲ್ಲಿಂದ ಕತ್ತರಿಸಿ

TEAR HERE TO OPEN THE QUESTION PAPER
ಪ್ರಶ್ನೆಪತ್ರಿಕೆಯನ್ನು ತೆರೆಯಲು ಇಲ್ಲಿ ಕತ್ತರಿಸಿ

Tear here

institutes.aglasem.com
aglasem.com

सामान्य सूचनाएँ : i) यह प्रश्नपत्र 60 अंकों का है ।

ii) प्रत्येक उत्तर को चिंतन-मनन करके लिखने के लिए 3 घंटों का समय दिया है।

iii) सूचना के अनुसार प्रत्येक प्रश्न के उत्तर लिखिए ।

भाग - I

I. इस भाग में 10 प्रश्न दिये गये हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखना आवश्यक है । प्रत्येक प्रश्न के 3 पर्यायी उत्तर दिये गये हैं । उनमें से योग्य पर्याय चुनकर उत्तर लिखिए :

1 × 10 = 10

1. भाषा का गुण है .... और निरंतर विकास ।

   (अ) परिवर्तन (आ) अपरिवर्तन (इ) सपरिवर्तन ।

2. बच्चे की घरेलू भाषा उसके .... विकास में सहायकारी होती है ।

   (अ) सामाजिक (आ) सांस्कृतिक (इ) ज्ञानात्मक ।

3. भाषा का अस्तित्व .... सामाजिक संदर्भ में होता है ।

   (अ) मुक्त (आ) अमुक्त (इ) समुक्त ।

4. प्रजासत्ताक राष्ट्र में राजनीति की जिम्मेदारी .... पर होती है ।

   (अ) समाज (आ) राष्ट्र (इ) लोगों

5. बच्चे के घर में बोली जानेवाली भाषा .... होती है ।

   (अ) मातृभाषा (आ) घरेलू भाषा (इ) राष्ट्रभाषा ।

6. यशस्वी व्यक्ति का यश उसकी .... पर निर्भर होता है ।

   (अ) भाषा निपुणता (आ) लेखन निपुणता (इ) श्रवण निपुणता ।

7. कहानियाँ .... तथा समृद्ध भाषा शिक्षा में मदद करती हैं ।

   (अ) कलात्मकता (आ) कल्पनाशीलता (इ) सृजनशीलता ।

8. .... भाषा पर प्रभुत्व पाना पठन के लिए आवश्यक पूर्व तैयारी है ।

   (अ) अनौपचारिक (आ) निरौपचारिक (इ) औपचारिक ।

9. शिक्षा मानव जाति के लिए एक .... प्रक्रिया है ।

   (अ) स्वाभाविक (आ) अस्वाभाविक (इ) नैसर्गिक ।

10. हर बच्चे को अर्थपूर्ण पढ़ने और लिखने का ज्ञान पाकर .... होना चाहिए ।

    (अ) निरक्षर (आ) साक्षर (इ) अनक्षर ।

institutes.aglasem.com
aglasem.com

भाग - II

II. इस भाग में आठ प्रश्न दिये गये हैं । उनमें से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **2 × 5 = 10**

11. भाषा में बदलाव कब और कैसे आता है ?
12. कर्नाटक में छात्रों को कन्नड भाषा प्रथम भाषा के रूप में क्यों पढ़ाई जाती है ?
13. छात्रों को कक्षा में पूछे जानेवाले प्रश्नों के प्रकार बताइए ।
14. बच्चों को सस्वर वाचन की शिक्षा किस तरह देनी चाहिए ?
15. छात्रों को निबंध लेखन की शिक्षा किस तरह देनी चाहिए ?
16. बच्चों से कहानी सुनवाने के क्या उद्देश्य होते हैं ?
17. साक्षरता में सफल होने के लिए बच्चों को किन-किन कौशलों का ज्ञान होना चाहिए ?
18. सम्मिलन कक्षा के लक्षण कौन-से हैं ?

भाग - III

III. इस भाग में दिये हुए (अ) और (आ) विभाग में से एक-एक प्रश्न लेकर किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **5 × 8 = 40**

19. अ) बच्चों को कहानी सुनवाने से कौन-से लाभ होते हैं ?

अथवा

आ) खेल द्वारा हम कौन-कौन-सा ज्ञान प्राप्त करते हैं ?

20. अ) प्राथमिक स्तर पर श्रवण और मौखिक अभिव्यक्ति में कौन-कौन-सी समस्याएँ आती हैं ?

अथवा

आ) श्रवण और सुनने की क्रिया में क्या अंतर है ?

21. अ) पठन के उप-कौशल कौन-से हैं ?

अथवा

आ) छात्रों को उक्तशिक्षण की शिक्षा किस तरह देनी चाहिए ?

22. अ) छात्रों में लेखन कौशल बढ़ाने के लिए अध्यापक को क्या करना चाहिए ?

अथवा

आ) कनिष्ठ प्राथमिक पाठशाला में लेखन की शुरुआत कब और कैसी करनी चाहिए ?

23. अ) हर व्यक्ति के लिए साक्षरता क्यों महत्वपूर्ण है ?

अथवा

आ) वैज्ञानिकों के अनुसार बच्चों के प्रथम भाषा ज्ञान सोपानों का विवरण दीजिए ।

24. अ) पहली बार स्कूल में प्रवेश करनेवाले बच्चों को किन-किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है ?

अथवा

आ) बच्चे की भाषा शिक्षा के संदर्भ में अध्यापकों से कौन-कौन-सी उम्मीदें रखी जाती हैं ?

25. अ) बच्चों को खेल द्वारा किस तरह शिक्षा दी जाती है ?

अथवा

आ) प्राथमिक साक्षरता में भाषा के चार कौशलों का किस तरह मूल्यांकन किया जाता है ?

26. अ) दृष्टि दोष वाले छात्रों को शिक्षा देते समय किन-किन बातों पर ध्यान देना चाहिए ?

अथवा

आ) बोलने में दोष वाले छात्रों को शिक्षा देते समय अध्यापक को क्या करना चाहिए ?

institutes.aglasem.com
aglasem.com

DO NOT WRITE ANYTHING HERE

institutes.aglasem.com

aglasem.com

Answer Key

institutes.aglasem.com
aglasem.com

ಮಾದರಿ ಉತ್ತರಗಳು

MODEL ANSWERS

ಸಂಕೇತ ಸಂಖ್ಯೆ : **306-H**

Code No. : 306-H

ಡಿ.ಎಲ್.ಎಡ್. ಪ್ರಥಮ ವರ್ಷ

D.El.Ed. FIRST YEAR

ಕಲಿಕೆಯನು–ಅನುಕೂಲಿಸುವುದು (ಕಿ.ಪ್ರಾ.ಶಾ.)

ಪ್ರಥಮ ಭಾಷೆ – ಹಿಂದಿ

FACILITATING LEARNING (LPS)

FIRST LANGUAGE — HINDI

ದಿನಾಂಕ : 06. 07. 2022] [ಗರಿಷ್ಠ ಅಂಕಗಳು : 60

Date : 06. 07. 2022] [Max. Marks : 60

भाग - I

I. इस भाग में 10 प्रश्न दिये गये हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखना आवश्यक है । प्रत्येक प्रश्न के 3 पर्यायी उत्तर दिये गये हैं । उनमें से योग्य पर्याय चुनकर उत्तर लिखिए :

1 × 10 = 10

1. परिवर्तन
2. ज्ञानात्मक
3. मुक्त
4. लोगों
5. घरेलू भाषा
6. भाषा निपुणता
7. कल्पनाशीलता
8. औपचारिक
9. स्वाभाविक
10. साक्षर ।

institutes.aglasem.com

aglasem.com

भाग - II

II. इस भाग में आठ प्रश्न दिये गये हैं । उनमें से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

2 × 5 = 10

11. जब हिन्दी भाषा बोलने वाले लोग अन्य भाषा प्रदेश के लोगों के साथ संबंध और संपर्क रखते हैं, तब भाषा में बदलाव आता है । इससे एक भाषा में दूसरी भाषा के शब्दों का प्रयोग होने लगता है । इससे कुछ शब्दों की अभिव्यक्ति अन्य भाषा के शब्दों से प्रभावशाली बनाती है ।

12. कर्नाटक में अधिकतर बच्चों की मातृभाषा कन्नड है । कन्नड राजभाषा होने के कारण यहाँ के छात्रों के जीवन का यश कन्नड भाषा के प्रयोग की क्षमता पर निर्भर है । शिक्षा के विविध स्तर पर बच्चा उसकी वृद्धि करना चाहे तो उसके लिए कन्नड भाषा बहुत ही महत्वपूर्ण है ।

13. – रिक्त स्थानों की पूर्ति करना ।
   – बहुविकल्प प्रश्न ।
   – जोड़कर लिखना ।
   – एक वाक्य में उत्तर देना ।
   – सही या गलत बताना ।

14. बच्चों को सस्वर वाचन का प्रशिक्षण देते समय जिस पाठ को हम पढ़ाना चाहते हैं उसका पहले पठन करना चाहिए । पाठ पढ़ते समय उचित स्वरभार, अक्षर तथा शब्दों का सही उच्चारण, उचित जगह योग्य विराम देना, आदि की शिक्षा देनी चाहिए ।

15. – छात्रों से निबंध लिखवाने के पहले उनके साथ उस निबंध के बारे में चर्चा करनी चाहिए ।
   – निबंध के विषय के बारे में छात्रों को प्रश्न पूछने चाहिए ।
   – कक्षा में चर्चा किये हुए अंशों को श्यामपट्ट पर लिखना चाहिए ।
   – छात्रों को निबंध लिखने के लिए मार्गदर्शन करना चाहिए ।

16. **कहानी सुनवाने के उद्देश्य –**
   – छात्र श्रवण किये हुए विचार समझ सका है या नहीं यह देखना ।
   – बच्चों को उनकी भावनाओं को संदर्भ के अनुसार व्यक्त करने के लिए अवसर देना ।
   – बच्चों के विचारों को मुक्त ढंग से अभिव्यक्त करने के लिए अवसर देना ।
   – बच्चों में अभिव्यक्ति के प्रति आत्मविश्वास बढ़ाना ।

institutes.aglasem.com

aglasem.com

17. **साक्षरता में सफलता पाने के लिए –**

- मौखिक भाषा क्षमता
- ध्वनि का ज्ञान
- अक्षर का ज्ञान तथा उसके उच्चारण की जानकारी
- लिखित रूप में परिपक्वता
- लिखने की तीव्र इच्छा ।

18. **सम्मिलन कक्षा के लक्षण –**

- हर बच्चे को एक व्यक्ति मानकर उसका गौरव करना ।
- छात्र कक्षा का केन्द्रबिंदु हैं, उनकी जरूरतें जानकर उन्हें औपचारिक शिक्षा देना ।
- हर छात्र को उसकी क्षमता के अनुसार सीखने के लिए वातावरण तैयार करना ।
- छात्रों का मूल्यांकन करने के लिए योजना बनाना ।

भाग - III

III. इस भाग में दिये हुए (अ) और (आ) विभाग में से एक-एक प्रश्न लेकर किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 5 × 8 = 40

19. अ) **बच्चों को कहानी सुनवाना –**

- सुनने की क्षमता से कल्पना करने की क्षमता – छात्र सुनी हुई कहानी के बारे में कल्पना करने लगता है ।
- एकाग्रता – कहानी सुननेवालों का ध्यान अपनी तरफ खींच लेती है । कहानी हमें चिंतन, कल्पना तथा उसमें रहनेवाली भावनाएँ समझने में मदद करती है ।

वैयक्तिक स्तर पर जवाब –

- छात्र कहानी का अपने-अपने स्तर से सोचकर जवाब देते हैं ।
- समृद्ध भाषा समझने का अवसर – कहानी जीवन के अनुभवों को हमारे सामने रखती है ।
- कहानी हमें पात्र के अंतरंग में प्रवेश करके दूसरों के प्रति अनुकंपा जैसे गुणों की वृद्धि करने में सहायता करती है ।

अथवा

institutes.aglasem.com
aglasem.com

आ) – खेल द्वारा हमें कब क्या करना है या नहीं करना है आदि औचित्यपूर्ण व्यवहार की जानकारी होती है । खेल द्वारा भाषा का प्रयोग करते रहने से हम एक दूसरों के साथ व्यवहार करना सिखते हैं ।

– खेल द्वारा हम हार-जीत जैसे मनोभाव को स्वीकारने की सीख लेते हैं ।

– भविष्य में हार-जीत स्वीकारने के लिए खेल हमें मदद करता है ।

– लड़कपन का खेल जीवन के सुनहरे अवसर की खोज में तब बदलता है, जब हम हार को खुले दिल से स्वीकार करते हैं और राह में आनेवाली चुनौतियों को एक मौका समझकर स्वीकारते हैं ।

20. अ) **प्राथमिक स्तर पर –**

– वैयक्तिक भाषा प्रयोग से सर्वसाधारण भाषा व्यवस्था में बदलते समय असुरक्षितता का अनुभव होता है ।

– छात्रों के पास उचित शब्दों की कमी होती है ।

– स्कूल की औपचारिक भाषा में बातें करते समय बीच-बीच में घरेलू भाषा का प्रयोग करना ।

– तीन-चार व्यक्तियों के सामने संभाषण करते समय आनेवाला तनाव ।

– बच्चों की घरेलू भाषा के बारे में अध्यापक की धारणाएँ ।

– माता-पिता की उम्मीदों से छात्र तथा अध्यापक पर आनेवाला दबाव ।

– प्रारंभिक स्तर पर शिक्षक और माता-पिता का भाषा सिखाने का ज्ञान और अनुभव की कमी ।

अथवा

आ) **श्रवण और सुनने की क्रिया में अंतर –**

– श्रवण किसी उद्देश्य में किया जाता है, सुनने के लिए किसी उद्देश्य की जरूरत नहीं होती ।

– जब हम किसी बात को एक विशिष्ट उद्देश्य से सुनना चाहते हैं, तो उस सुनने की क्रिया को श्रवण करते हैं ।

– श्रवण क्रिया में श्रवण करने वाले का पूर्ण व्यक्तित्व हिस्सा लेता है ।

– वे ध्यानपूर्वक ही नहीं बल्कि आसक्ति से कुछ ज्ञान ग्रहण करने के लिए सुनता है ।

– श्रवण में उसकी सारी शक्तियाँ शामिल हो जाती हैं ।

– सक्रिय श्रवण से किसी बात का अर्थ समझना आसान होता है ।

institutes.aglasem.com

aglasem.com

21. अ) **पठन के उप-कौशल –**

- अक्षर और पदों को पहचानना ।
- पहचाने हुए अक्षर और पदों का सस्वर वाचन करना ।
- पद, पदगुच्छ, वाक्यों का सस्वर वाचन करना ।
- पाठ का मौनवाचन करके उसका अर्थ समझ लेना ।
- पढ़े हुए वाक्य, वाक्यगुच्छों में अंतर्भूत अर्थ का ग्रहण करना ।
- पूर्व अनुभवों के आधार पर पठित पाठ का अर्थ समझ लेना ।
- विशेष अर्थ प्रदान करनेवाले शब्दों का संदर्भ के अनुसार अर्थ समझना ।
- पदों के अर्थ का संदर्भ के अनुसार अनुमान लगाना ।
- पाठ के आलंकारिक शब्दों के अर्थ जानना ।

अथवा

आ) **उक्तलेखन की शिक्षा –**

- उक्तलेखन करते समय छात्रों को वाक्य और वाक्यगुच्छ अर्थपूर्ण पदगुच्छों के रूप में बताना ।
- एक बार बताया गया वाक्यगुच्छ अर्थपूण पदगुच्छों के रूप में बताएँ, जिसे छात्र सुनकर लिखें ।
- एक बार बताया गया पदगुच्छ फिर से नहीं दुहराना चाहिए ।
- कभी-कभी कुछ पदगुच्छों का अर्थ न समझने पर उस जगह को खाली छोड़ना चाहिए ।
- पूरे पाठ का उक्तलेखन देने के बाद फिर एक बार धीमी गति से पाठ पढ़ना चाहिए ।
- छात्र खाली छोड़े हुए पद को पाठ फिर से सुनकर लिख सकते हैं ।

22. अ) **छात्रों में लेखन कौशल बढ़ाने के लिए** –

- कलम पकड़ने का तरीका, लिखने की पद्धति, आदि की जानकारी छात्रों को देना ।
- कलम की नोंक करीब 9 सें.मी. से 9·4 सें.मी. दूरी तक पकड़नी चाहिए ।
- लिखते समय पीठ सीधी, पैर ठीक तरह से जमीन पर टीके रहने चाहिए ।
- लिखने का कागज करीब 10 डिग्री दायीं ओर तिरछा हो ।
- दायें हाथ से लिखना हो तो कागज बायें हाथ की तरफ झुके ।
- हाथ की कलाई से लेकर केहुनी तक शरीर का हिस्सा आराम से हिल सके ।
- लेखन की शुरुआत करने के पहले हाथों का व्यायाम करें ।
- उचित व्यायाम से लिखने की कठिनाई दूर हो जाती है ।

अथवा

institutes.aglasem.com
aglasem.com

आ) **कनिष्ठ प्राथमिक पाठशाला में लेखन की शुरुआत –**

- अक्षर, संयुक्ताक्षर, मात्राएँ, बारह खड़ी द्वित्राक्षर देखकर लिखना ।
- अक्षर और पदों को देखकर लिखना ।
- पद और वाक्यों की नकल करना ।
- पद और वाक्यों का श्रुत लेखन करना ।
- सुने हुए विषयवस्तु को अपने शब्दों में लिखना ।
- मार्गदर्शित प्रबंध लिखना ।
- स्वतंत्र रूप से निबंध, कहानी, कविता लिखना ।
- बड़े अक्षर श्यामपट्ट पर लिखकर छात्रों को लिखने का तरीका दिखाना ।
- हर पल पहले की अपेक्षा अच्छा लिखना ।
- बच्चों को सही लिखने की याद दिलाना ।

23. अ) **हर व्यक्ति को साक्षरता महत्वपूर्ण –**

- साक्षरता – व्यक्ति को न्यायालय के झमेलों से खुद की रक्षा करने के लिए ।
- बैकों से कर्जा लेना या उनकी अमानत बैंक में जमा करने के लिए ।
- खुद के उत्तराधिकार पर हक जताने के लिए ।
- आधुनिक तंत्रज्ञान का लाभ उठाने के लिए ।
- बाजार में स्पर्धा करने के लिए ।
- सही वाहन पकड़कर सही जगह पहुँचने के लिए ।
- राजकीय कार्य में भाग लेने के लिए ।
- आधुनिक अर्थव्यवस्था और समाज में सफलता से भाग लेने के लिए हर व्यक्ति को साक्षर बनाना आवश्यक है।

अथवा

आ) **बच्चों के प्रथम भाषा ज्ञान सोपान –**

वैज्ञानिकों के अनुसार संसार के सभी बच्चों का आरंभ का संवहन रोने से शुरू होता है । बच्चा रोकर उसकी भूख-प्यास और अन्य जरूरतों की ओर माता-पिता का ध्यान खींचता है । कुछ महिने का शिशु 'प' और 'ब' में होनेवाला अंतर समझता है । एक साल का शिशु 'म' अम्मा और 'प' पापा आदि शब्द बोलने लगता है । भूख लगने पर रसोई घर की तरफ उँगली उठाता है । दो साल का बच्चा पापा आफिस, दीदी स्कूल आदि शब्दों का उच्चारण करता है । इस आयु में बच्चा पूर्ण वाक्य का प्रयोग नहीं करता । लेकिन उसकी भाषा में संवहन करता है । जैसे पापा बाहर गए हैं, यह बताने के वह 'पापा भूर' आदि शब्दों का प्रयोग करता है ।

institutes.aglasem.com
aglasem.com

24. अ) पहली बार स्कूल में प्रवेश करनेवाले बच्चे उसके साथ कुतुहल, उत्साह, भय आदि भावनाओं को लेकर आते हैं । बच्चे की घर की भाषा अलग हो सकती है । जैसे कोई बच्चा बंजारा समाज से आया हो तो उसकी घरेलू भाषा अलग होती है । अगर कोई बच्चा शहर से आया हो तो उसकी घर की भाषा कन्नड या हिन्दी होने पर भी गाँव के स्कूल में प्रवेश करने से भाषा में बदलाव होता है । इस तरह के अनुभव से बच्चा विचलित होता है । कुछ घर में लोग धीमी गति से बातें करते हैं तो पाठशाला में बच्चों को अधिक स्पष्ट रूप से बोलने की उम्मीदें रखते हैं । कुछ परिवारों में बच्चों को बड़ों के सामने बोलना मना होता है । ऐसे वातावरण से आनेवाले बच्चे स्कूल में बोलते समय हिचकिचाते हैं ।

अथवा

आ) **बच्चों की भाषा शिक्षा के बारे में अध्यापक से उम्मीदें –**

– हर एक भाषा का अपना स्वरूप, सौंदर्य, व्याकरण और बहाव होता है । भाषा में ऊँच-नीच का भेद नहीं होता है । इस बात पर शिक्षक का दृढ़ विश्वास होना चाहिए ।
– बच्चे की घरेलू भाषा पर किसी प्रकार की टीका नहीं होनी चाहिए ।
– सभी बच्चे मौखिक संवहन की क्षमता पाकर स्कूल आते हैं, यह समझ अध्यापक को होनी चाहिए ।
– बच्चा को बात करते समय उसकी गलतियों को नहीं सुधारना चाहिए । इससे उसके आत्मविश्वास को ठेस या चोट पहुँचती है ।

25. अ) **खेल द्वारा शिक्षा –**

बच्चों का खेल उनके विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है । काल्पनिक खेल, चित्र निकालना, मिट्टी तथा गूंथे आटे से खिलौने बनाने की गतिविधि देना । रेत तथा उचित मनोरंजन के सामान कक्षा में रखकर बच्चों को उन्हें देखकर उनके बारे में कुछ वाक्य बोलने के लिए उन्हें प्रेरित करना । पहेलियों को सुलझाने के लिए कहना । छात्रों को अच्छी लगनेवाली चीजें जैसे – पत्ते, कंकड़ गुड़िया, चुड़ियाँ आदि को कक्षा में लाकर उनके बारे में कुछ बोलने के लिए कहना । बच्चों को कक्षा के बाहर परिसर का निरीक्षण करने के लिए कहकर उन्हें उचित लगनेवाले विषय पर बोलने के लिए मौका देना । इस प्रकार के खेल से छात्रों में भाषा का विकास होता है ।

अथवा

institutes.aglasem.com
aglasem.com

आ) **प्राथमिक साक्षरता में कौशलों का मूल्यांकन –**

– श्रवण – सुनकर अर्थ समझने का सामर्थ्य ।

– भावनाओं की अभिव्यक्ति ।

– ज्ञान और चिंतन की अभिव्यक्ति ।

– समूह में अभिप्राय देना ।

पठन – वर्णमाला का ज्ञान

– शब्दों की पहचान

– शब्दसंग्रह की वृद्धि

– पढ़े हुए पाठ का अर्थ समझना ।

लेखन – लेखन के प्रति रुचि बढ़ाना

– गिपचिप लिखना, लकीरें खींचना ।

भाषण – दूसरों की बातें सुनकर बोलने का प्रयास करना ।

– कक्षा में प्रश्नों के उत्तर देना ।

26\. अ) दृष्टि दोष वाले छात्रों को चित्रों का वर्णन पदों के द्वारा करना चाहिए ।

– जरूरी हो तो उनके सहपाठी उन्हें पढ़कर बता सकते हैं ।

– श्यामपट्ट की लिखावट मोटे अक्षरों में होनी चाहिए ।

– पढ़ने की सामग्री समतल पर होनी चाहिए ।

– लेखन का कार्य छोटे-छोटे टुकड़ों में विभाजित करके एक के बाद एक करके लिखवा लेना चाहिए ।

– लिखने की गतिविधियों के बारे में विस्तार से उनके साथ चर्चा करनी चाहिए ।

– शिक्षा का अनुभव, संभाषण, चर्चा आदि का कक्षा में खूब प्रयोग होना चाहिए ।

– बंधे हाथ से स्पर्श करके समझ सके, ऐसे स्रोत कक्षा में उपलब्ध होने चाहिए ।

अथवा

आ) – अर्थपूर्ण तरीके से मौखिक संवहन जिनसे संभव नहीं है, ऐसे बच्चों को उनके विचार प्रकट करने के लिए, पदों को याद करने के लिए समय की आवश्यकता होती है । उन्हें कक्षा में बोलने के लिए समय देना चाहिए ।

– उन्हें बोलने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए सरल प्रश्न पूछने चाहिए ।

– उन्हें उत्तर देने में विलंब लगे तो दूसरे छात्रों को उन्हें पूछे हुए प्रश्नों के उत्तर देने से रोकना चाहिए ।

– उनसे बताये गये उत्तरों की ओर ध्यान देकर, उनकी भाषा उसी समय ठिक करनी चाहिए ।

– उन्हें सुनने के लिए आवश्यक समय देना चाहिए ।

institutes.aglasem.com
aglasem.com